विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक 20-04-2021

वर्ग सप्तम शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

पररूप संधि - एडि पररूपम्, संस्कृत व्याकरण

पररूप संधि का सूत्र एडि पररूपम् होता है। यह संधि स्वर संधि के भागो में से एक है। संस्कृत में स्वर संधियां आठ प्रकार की होती है। दीर्घ संधि, गुण संधि, वृद्धि संधि, यण् संधि, अयादि संधि, पूर्वरूप संधि, पररूप संधि, प्रकृति भाव संधि।

इस पृष्ठ पर हम पररूप संधि का अध्ययन करेंगे !

पररूप संधि के नियम

नियम - पदांत में अगर "अ" अथवा "आ" हो और उसके परे 'एकार/ओकार' हो तो उस उपसर्ग के एकार/ओकार का लोप हो जाता है। लोप होने पर अकार/ओकार 'ए/ओ' उपसर्ग में मिल जाता है।

पररूप संधि के उदाहरन्

प्र + एजते = प्रेजते

उप + एषते = उपेषते

परा + ओहति = परोहति

प्र + ओषति = प्रोषति

उप + एहि = उपेहि

यह संधि वृद्धि संधि का अपवाद भी होती है।